विश्वविद्यालय परिवार के सभी सदस्यगण।

नववर्ष के अवसर पर आप सभी को ढेर सारी शुभकामनाएँ। पिछला वर्ष विश्वविद्यालय के लिए काफी अच्छा रहा। केन्द्रीय विश्वविद्यालय बनने के बाद हुई अनिश्चितता का माहौल खत्म हो गया। नए प्रबंध बोर्ड तथा विभिन्न समितियों का गठन माननीय राष्ट्रपति के अनुमोदन से हो गया। इन सबके गठन के उपरान्त विश्वविद्यालय ने केन्द्रीय विश्वविद्यालय के स्तर के लिए अपने नए नियम बनाए जिनका अनुमोदन राष्ट्रपति द्वारा हो गया है। इन नियमों के लागू होने से अब हमारे विश्वविद्यालय में केन्द्रीय सेवा नियमों का पूरी तरह पालन होने लगा है। नियुक्ति नियम बन गए हैं तथा उन नियमों के अनुसार नियुक्तियॉ शुरू भी हो गई है। नियुक्ति प्रणाली में पारदर्शिता एवं सबसे बेहतर टैंलेंट को आकर्षित करना विश्वविद्यालय का ध्येय बन गया है और सभी के सहयोग से हम लोग नियुक्ति का एक मानक बनाने में सफल हुए हैं। इसके लिए आप सभी बधाई के पात्र हैं।

प्रशासनिक स्तर पर पिछले वर्ष की सबसे बड़ी उपलब्धि सिद्धान्त रूप से तकनीकी सेवा बनाने की प्रबंध बोर्ड से सहमति है। खाका तैयार है। उम्मीद है अगली बैठक में पूर्ण रूप से स्वीकृति मिल जाएगी। प्रशासनिक कर्मचारियों के लिए भी पूरा पदोन्नति का ढॉचा तैयार हो गया है और यह भी अंतिम चरण में है। तकनीकी एवं प्रशासनिक वर्गो में सर्पोटिंग स्टाफ (supporting staff) के पदोन्नति के अवसर का भी प्रावधान किया गया है।

शिक्षा के क्षेत्र में केन्द्रीय विश्वविद्यालय बनने के बाद गुणात्मक परिवर्तन आए हैं। बरसों बाद हमारी सीटें 90–95 प्रतिशत तक भरी हैं। इन छात्र–छात्राओं में से करीब 40–50 प्रतिशत छात्र बाहर के राज्यों के हैं। अब हमारा उत्तरदायित्व है कि इन्हें हम एक अच्छा शैक्षिक वातावरण दें ताकि बाहर के राज्यों में हमारी एक बेहतर छवि बनें।

शोध के क्षेत्र में हमने नए आयाम हुए हैं। हमारी दो प्रजातियॉ राजेन्द्र नीलम एवं अरहर–1 केन्द्रीय स्तर पर रिलीज हुई है। शोध समिति ने पॉच अन्य प्रजातियों को रिलीज करने की अनुमति दी है। सिंचाई में सौर उर्जा के उपयोग से नई सिंचाई साधन का विकास करने में हम सफल रहे हैं। छोटे औजार जैसे स्वायल टर्नर (soil turner), मेज शेलर (maize sheller) तथा मलचड कंडीशंस (mulched conditions) के लिए होल डीग्गर (hole digger) बनाकर हमने छोटे किसानों के लिए अपनी प्रतिबद्धता दिखाई है। आगे भी हम छोटे किसानों जो हमारी कृषि की रीढ़ है उनके उत्थान के लिए कार्य करते रहेगें।

प्रसार के क्षेत्र में हमारे कृषि विज्ञान केन्द्र सराहनीय कार्य कर रहे हैं। तीन महत्वपूर्ण पद भरे जाने से तथा चाहरदीवारी बन जाने से इस वर्ष उनकी कार्य क्षमता और बढ़ेगी ऐसा मेरा पूर्ण विश्वास है । कृषि तकनीक खास तौर से वेल्यु एडीशन (value addition) के क्षेत्र में हमने

नई approach अपनाई है। इसके तहत गुड़ प्रसंस्करण तथा दाल प्रसंस्करण की ईकाईयॉ पीपराकोठी और बिरौली में स्थापित की गई है। दोनों जगह किसान अपना उत्पाद लाकर खुद प्रोसेस (process) करते हैं और उससे लाभ उठा रहे हैं। यदि यह प्रयोग सफल रहा तो अन्य केन्द्रों पर इसे दोहराऍगें तथा अन्य तकनीकों पर इसका प्रयोग करेगें।

नए वर्ष में आइए हम संकल्प लें कि किसानों के हित के लिए हम पूर्णतया समर्पित रहेगें। Infrastructure के क्षेत्र में हमारा प्रयास जारी रहेगा। रहने के लिए अच्छे घर और छात्रावास, काम करने के लिए बेहतर वातावरण तथा अन्य सुविधाऍ विकसित करने पर हमारी कोशिश चलती रहेगी। इस वर्ष हम ज्यादा सीटें तथा नए कोर्स शुरू करेगें। मुझे आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि नववर्ष इस विश्वविद्यालय परिवार के लिए शुभकारी होगा और हम नई ऊॅचाईयॉ छूऐंगे।

जय हिन्द,

.